सांध्य दैनिक
4PM

अगर आप चाहते हैं कि कोई चीज अच्छे से हो तो उसे खुद कीजिये।
–नेपोलियन बोनापार्ट

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 204 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 30 अगस्त, 2023

केएल राहुल एशिया कप के... 7 | एनडीए व इंडिया की चुनावी रणनीति... 3 | घोसी का एक-एक वोट देश को... 2

चीन ने भारतीय हिस्से पर आंख गड़ाई मोदी सरकार विपक्ष के निशाने पर आई

» अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चीन को अपना हिस्सा बताया

» कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों ने पीएम से बयान देने को कहा

» भारत सरकार बोली: बेतुका है चीन का दावा

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चीन द्वारा जारी नये नक्शे को लेकर मोदी सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसके लिए मोदी सरकार को घेरते हुए कहा है कि इस मामले में पीएम जवाब दें वहीं असुद्दीन ओवैसी ने कहा है सरकार को इस मुद्दे पर विशेष सत्र बुलाना चाहिए। हालांकि विदेश मंत्री ने चीन की कारस्तानी को सिरे से नकारते हुए बेतुका बताया है। दरअसल चीन ने हाल ही में एक मैप जारी किया है, जिसमें पूरे अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चीन को अपना हिस्सा बताया है, इस मैप पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है।

सोमवार को, चीन ने एक नया मानक नक्शा जारी किया, जिसमें अक्साई चिन, जिस पर उसने 1962 के युद्ध में कब्जा किया था, और अरुणाचल प्रदेश, जिस पर वह दक्षिण तिब्बत के रूप में दावा करता है, उसे अपने क्षेत्र के हिस्से के रूप में दिखाया है. मैप में संपूर्ण दक्षिण चीन सागर को भी चीन के हिस्से के रूप में दिखाया गया है, जैसा कि पिछले संस्करणों में दिखाया गया था। वहीं विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने एक बयान में कहा, हम दावों को खारिज करते हैं क्योंकि उनका कोई आधार नहीं है, चीनी पक्ष के ऐसे कदम केवल सीमा प्रश्न के समाधान को जटिल बनाते है। यह मानचित्र ऐसे महत्वपूर्ण समय में सामने आया है जब भारत 9-10 सितंबर को होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के लिए तैयार हो रहा है, पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस महीने दक्षिण अफ्रीका में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपनी बैठक के दौरान संपूर्ण वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तेजी से तनाव कम करने के लिए काम करने पर सहमत हुए।

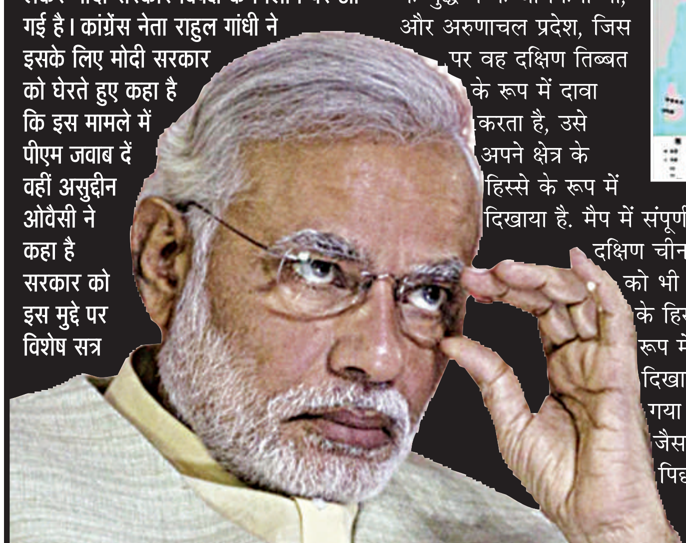

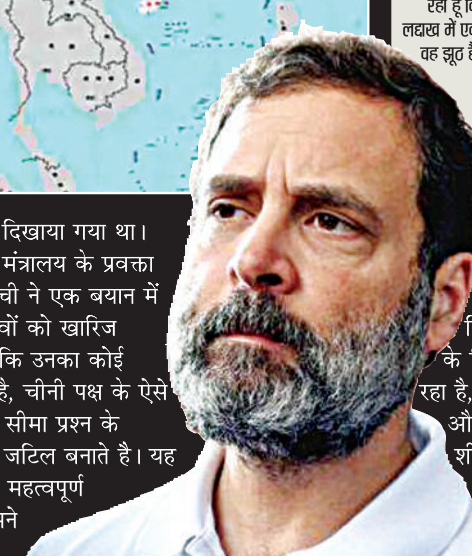

पीएम मोदी दें जवाब : राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चीन के नए नक्शे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि मैं वर्षों से कह रहा हूं कि प्रधानमंत्री ने जो कहा है कि लद्दाख में एक इंच जमीन नहीं गई, ये सरासर झूठ है, पूरा लद्दाख जानता है कि चीन ने हमारी जमीन हड़प ली है। कांग्रेस नेता ने कहा, मैप की बात बड़ी गंभीर है, लेकिन इन्होंने (चीन) जमीन तो ले ही ली है, उस बारे में भी प्रधानमंत्री को कुछ कहना चाहिए। राहुल गांधी ने कर्नाटक के लिए रवाना होते समय कहा, प्रधानमंत्री को इस बारे में कुछ कहना चाहिए। मैं वर्षों से कह रहा हूं कि पीएम ने जो कहा कि लद्दाख में एक इंच जमीन नहीं गई, वह झूठ है, पूरा लद्दाख जानता है कि चीन ने अतिक्रमण किया है, यह मानचित्र मुद्दा बहुत गंभीर है, उन्होंने जमीन छीन ली है।

सरकार के लिए खतरे की घंटी : असदुद्दीन ओवैसी

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने चीन के मुद्दों को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी निशाना साधा है। अक्साई चिन में चीन की सैन्य तैयारियों की खबरों के आधार पर ओवैसी ने कहा कि ये सरकार के लिए खतरे की घंटी है। इसके बावजूद पीएम मोदी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक के लिए अनुरोध कर रहे हैं। ओवैसी ने सिलसिलेवार ट्वीट करते हुए चीन की कारगुजारियों के हवाले से केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना। सैटेलाइट से पता चलता है कि चीन की ओर से अक्साई चीन में अंडरग्राउंड सैन्य निर्माण बढ़ाया जा रहा है, इस मामले पर भारत की प्रतिक्रिया डरपोक और कमजोर नहीं हो सकती, हमें चीन के सामने खड़े होने की जरूरत है।

चीन को बेतुके दावे करने की आदत : जयशंकर

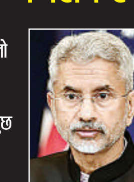

मामले पर भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि जो क्षेत्र उसके नहीं हैं, उसे भी अपना बताने की चीन की पुरानी आदत है, भारत के कुछ हिस्सों के साथ नक्शा जारी करने से कुछ भी नहीं बदलेगा, हमारी सरकार इस बारे में स्पष्ट है, बेतुके दावे करने से दूसरे का क्षेत्र आपका नहीं हो जाता। इस गंभीर कृत्य को भारत ने गलत माना है और मानक मानचित्र पर राजनयिक चैनलों के माध्यम से विरोध जताया है।

कल से शुरू होगी इंडिया गठबंधन की बैठक

» आज जारी किया गया मुंबई बैठक का शेड्यूल

» जारी होगा गठबंधन का लोगो

» बैठक में पहुंचेंगे 5 सीएम और 80 नेता

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

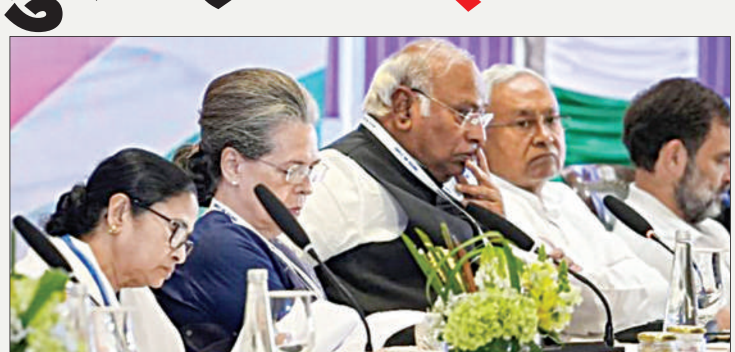

मुंबई। इंडिया गठबंधन ने मुंबई में होने जा रही विपक्षी पार्टियों की बैठक का पूरा शेड्यूल जारी किया है। ये बैठक 31 अगस्त और 01 सितम्बर (गुरुवार और शुक्रवार) को मुंबई के ग्रैंड हयात होटल में होनी है, बुधवार (30 अगस्त) शाम चार बजे महा विकास अघाड़ी की प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी, जिसमें बैठक के बारे में जानकारी दी जाएगी। तय कार्यक्रम के मुताबिक, 31 अगस्त (गुरुवार) को इंडिया गठबंधन में शामिल राजनीतिक पार्टियों के नेता मुंबई पहुंचेंगे, शाम 6 से साढ़े छह बजे से अतिथियों का स्वागत किया जाएगा, इसके बाद साढ़े छह बजे सभी नेता अनौपचारिक बैठक करेंगे, 31 अगस्त को रात आठ बजे डिनर का आयोजन रखा गया है, जिसकी मेजबानी शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे करेंगे।

इंडिया गठबंधन की बैठक का मुख्य कार्यक्रम शुक्रवार यानी 1 सितम्बर को होना है। इसके पहले सुबह 1.15 बजे गठबंधन नेता ग्रुप फोटो सेशन करेंगे। इसके बाद बैठक शुरू होगी जो दो बजे तक चलेगी। बैठक के शुरू होने के पहले गठबंधन का लोगो जारी किया जाएगा। दो बजे गठबंधन में शामिल दलों के नेता महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की तरफ से आयोजित लंच में हिस्सा लेंगे। दोपहर बाद 3.30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी।

इसबार मोदी को सत्ता से हटाना है : लालू

राष्टीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व रेलमंत्री और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र उन्होंने मुंबई में नरेंद्र मोदी के नट्टी पर चढ़ने जा रहे हैं हमलोग आज के दिन। नरेंद्र मोदी के नट्टी पकड़े हुए हैं, हटाना है। लालू ने मुंबई में होने वाली इंडिया गठबंधन की बैठक के लिए मुंबई रवाना होने से पहले यह बातें पटना एयरपोर्ट पर कही। साथ में बिहार के डिप्टी सीएम और उनके छोटे बेटे तेजस्वी यादव भी थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को अपने गृह जिला में थे और उन्होंने 31 अगस्त को मुंबई रवानगी की घोषणा कर रखी है। इससे पहले वाली बैठक बेंगलुरू में हुई थी, तब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ ही राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव गए थे।

केजरीवाल हों विपक्ष के पीएम पद के उम्मीदवार : आप

आम आदमी पार्टी की मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि अगर आप मुझसे पूछें तो मैं चाहूंगी कि अरविंद केजरीवाल प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बनें। इतनी कमरतोड़ महंगाई में भी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में महंगाई सबसे कम है। उन्होंने कहा कि मुफ्त पानी, मुफ्त शिक्षा, मुफ्त बिजली, महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, बुजुर्गों के लिए मुफ्त तीर्थ यात्रा, फिर भी सरप्लस बजट पेश किया गया है। वह लोगों के मुद्दे उठाते हैं और एक चुनौतीकर्ता के रूप में उभरते हैं। आम आदमी पार्टी के नेता गोपाल राय ने भी विपक्ष की बैठक से पहले मीडिया में बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आप चाहती है कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पीएम पद के उम्मीदवार बनें। इंडिया गठबंधन ही पीएम उम्मीदवार तय करेगा।

घोसी का एक-एक वोट देश को करेगा प्रभावित

» अखिलेश यादव बोले- यूपी में ही नहीं, देश की राजनीति में बदलाव लाएगा उपचुनाव का फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि घोसी विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव का फैसला देश की राजनीति बदलाव लाएगा। सपा प्रमुख यहां कोपागंज स्थित बापू इंटर कॉलेज के मैदान में घोसी विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार सुधाकर सिंह के समर्थन में आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे।

यादव ने कहा, अगर आपको मुकाबला भी करना पड़े तो अपने वोट के अधिकार के लिए मुकाबला करना, क्योंकि घोसी विधानसभा उपचुनाव का संदेश केवल यूपी के लिए नहीं है। घोसी विधानसभा सीट पर उपचुनाव के एक-एक वोट का संदेश देश में जाने वाला है, क्योंकि देश में कहीं और ऐसा चुनाव नहीं होने जा रहा। यादव ने विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों से मिले समर्थन की ओर संकेत करते हुए कहा ऐसा चुनाव शायद ही यूपी में देखने को मिला होगा, जहां पर सपा के प्रत्याशी के लिए जाति, धर्म से लेकर सब सीमाएं टूट गयी। अगर जाति धर्म की सीमाएं टूटी हैं तो दलों के सब बंधन भी टूट गये। उन्होंने कहा कि कभी विरोधी रहे दल आज सपा का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादियों का साथ दे रहे दलों को वह बधाई देते हैं क्योंकि यह महत्वपूर्ण लड़ाई है। उन्होंने कहा यह छोटी बड़ी लड़ाई नहीं है। यह बड़ा फैसला होगा आपका। यह ऐसा फैसला होगा जो देश की राजनीति में बदलाव लाएगा। सपा प्रमुख ने कहा कि समाजवादी और देश के दलों के एकजुट होने से लोग (सत्तापक्ष) घबराए हुए हैं। अखिलेश ने एक अन्य बयान में कहा कि गाजियाबाद की छात्राओं ने मुख्यमंत्री को खून से पत्र लिखकर प्रिंसिपल पर छेड़छाड़ की एफआईआर कराई थी, पर उस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। छात्राओं का ये भी आरोप है कि एक पुलिस अफसर ने उन्हें डांटा, धमकाया और चार घंटे थाने पर बैठाए रखा। उन्होंने इस मामले की तुरंत जांच की मांग करते हुए कहा कि सरकार बहन-बेटियों की रक्षा सुनिश्चित करे।

छात्राओं के लिखे पत्र पर हो कार्रवाई

सौ महीनों की लूट और फिर 200 रुपये की छूट

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गैस सिलिंडर के दाम कम किए जाने पर कहा कि सौ महीनों की लूट और फिर 200 रुपये की छूट के कोई मायने नहीं हैं। लगता है भाजपा के कैलेंडर में ओणम और रक्षाबंधन 10 साल में एक बार ही आता है। ऐसा करके लोग मुस्करा कैसे लेते हैं। अब भाजपाई धन्यवाद का धारावाहिक भी शुरू करेंगे। यह जनता के साथ सरासर धोखा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सवाल उठाते हुए कहा कि यूपी परिवहन निगम के दो कर्मचारियों को केवल इस बात के लिए निलंबित किया जाना कि उन्होंने किसी की धार्मिक प्रार्थना के लिए सिर्फ दो मिनट की देरी कर दी, कहां का इंसाफ है। उन्होंने एक्स पर अपने विचार रखते हुए कहा कि इस प्रताड़ना से दुखी होकर इनमें से एक ने आत्महत्या कर ली। सौहार्द के लिए प्रसिद्ध इस देश में सद्भावना के लिए अब कोई जगह नहीं बची है। यह बेहद शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि पीड़िति के परिवार के लिए मुआवजा की मांग उप्र परिवहन निगम के हर कर्मचारी को करनी चाहिए। आज ये किसी एक के साथ हुआ है, कल किसी और के साथ होगा।

नौ साल सिर्फ दाम बढ़ाए घटाए तो सिर्फ दो सौ : प्रमोद

केंद्र सरकार के द्वारा सिलेंडर की कीमत दो सौ रुपए कम करने पर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस के राज्यसभा में उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 से लोकसभा चुनाव लड़ रहे तो गैस सिलेंडर की कीमत 300 रुपये प्रति सिलेंडर थी, जो अब 1150 रुपये प्रति सिलेंडर पहुंच चुकी है। ऐसे में सरकार ने करीब साढ़े नौ साल सिलेंडर के दाम बढ़ाए और अब 200 कम कर दिया है। जारी बयान में उन्होंने कहा कि यह भाजपा के हाथ की जादूगरी है। यदि आंकड़ें देखें तो 200 रुपया प्रति सिलेंडर दाम करने के बाद भी अभी सिलेंगर करीब नौ सौ रुपये से अधिक में उपभोक्ताओं को मिलेंगे। यह कांग्रेस सरकार के कार्यकाल की अपेक्षा 600 रुपया अधिक है। उन्होंने कहा कि देश का शिक्षित युवा अब भाजपा की पैंतरेबाजी में नहीं फंसेगा। अगले चुनाव में भाजपा को उखाड़ कर दम लेगा।

दो अक्टूबर को पार्टी लॉन्च कर सकते हैं प्रशांत किशोर

» 20 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। 11 महीने से बिहार के गांव-गलियों की खाक छान रहे चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर सक्रिय राजनीति में उतरने की तैयारी कर रहे हैं, सूत्रों के मुताबिक 2 अक्टूबर को पीके सीतामढ़ी से अपनी नई पार्टी का ऐलान कर सकते हैं। सीतामढ़ी माता सीता की जन्मस्थली है। प्रशांत किशोर के करीबी सूत्रों की मानें तो पदयात्रा का पहला चरण सीतामढ़ी में खत्म हो जाएगा, जहां पीके पार्टी का ऐलान कर सकते हैं, पार्टी के नाम और सिंबल पर चर्चा फाइनल स्टेज में है, पीके कोर टीम के अधिकांश सदस्य जन सुराज नाम पर ही सहमत हैं।

पीके की नजर उत्तर बिहार की 20 लोकसभा सीटों पर हैं, जिसमें मोतिहारी,

बेतिया, गोपालगंज, वाल्मिकीनगर, सीवान, सारण, महाराजगंज, शिवहर, वैशाली, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, समस्तीपुर, उजियारपुर और मुजफ्फरपुर शामिल हैं। 2 अक्टूबर 2022 को प्रशांत किशोर ने चंपारण की धरती से पदयात्रा की शुरुआत की थी। पीके अब तक चंपारण (पूर्वी और पश्चिमी), गोपालगंज, सीवान, सारण, वैशाली और समस्तीपुर की यात्रा कर चुके हैं।

नूंह हिंसा कांग्रेस का किया-धरा : विज

» मामन खान वहां के लोगों के साथ लाइव कांटेक्ट में रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नूंह। हरियाणा के मंत्री विज ने हिंसा को लेकर कहा था कि अब तक की जांच और पूछताछ में सामने आया है कि यह हिंसा कांग्रेस का किया-धरा है। अनिल विज ने आरोप लगाए कि जो लोग पकड़े गए हैं, उनके कांग्रेस के साथ संबंध हैं। अनिल विज ने कहा, नूंह में तोड़फोड़ करने वाले भी कांग्रेस के वर्कर हैं। अभी इस बात की जांच चल रही है कि नूंह में जहां-जहां हिंसा हुई, मामन खान 28, 29 और 30 जुलाई को उनमें से किस-किस जगह गए थे।

मामन खान वहां के लोगों के साथ लाइव कांटेक्ट में रहे। अनिल विज ने कहा कि हिंसा को लेकर पुलिस जांच में कई चीजें सामने आ रही हैं। हिंसा

की निष्पक्षता से जांच की जा रही है। अनिल विज ने कहा, हम लोगों के सामने लाएंगे कि नूंह हिंसा का असली मास्टर माइंड कौन था। साथ ही अनिल विज ने पाकिस्तान में वीडियो दिखाए जाने को लेकर भी जांच किए जानी की बात कही है।

कांग्रेस विधायक मामन खान को पुलिस की नोटिस, कल होगी पूछताछ

नूंह के फिरोजपुर झिरका विधानसभा क्षेत्र से विधायक मामन खान की संलिप्तता 31 जुलाई को हुई हिंसा में पाई जाने की जांच चल रही है। इसी के तहत पांच दिन पहले नूंह पुलिस ने व्यक्तिगत वॉट्सएप नंबर पर मामन को नोटिस भेजा था। मामन के घर पर भी जांच में शामिल होने का नोटिस भिजवाया गया था। हालांकि, मामन खान नोटिस मिलने से ही मना कर चुके हैं। पहले तीस अगस्त को जांच में शामिल होने को कहा गया था, लेकिन अब 31 अगस्त को नगीना थाने में सुबह 11 बजे पूछताछ के लिए विधायक को बुलाया गया है। पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारणियां ने कहा कि विधायक से पूछताछ के दौरान एसआईटी के सदस्य डीएसपी सतीश वत्स मौजूद रहेंगे। बता दें कि हिंसा से एक दिन पहले विधायक ने ट्वीट किया था कि मेवात के लोगों घबराने की जरूरत नहीं आप के लिए विधानसभा में लड़ाई लड़ी यहां पर भी लड़ेंगे बाद में इसे डिलीट कर दिया गया। हिंसा के बाद कई आरोपित पकड़े गए जो विधायक के समर्थक पुलिस की ओर से बताए गए।

एनडीए व इंडिया गठबंधन गरीब-विरोधी जातिवादी, साम्प्रदायिक : मायावती

» लोस और विस चुनाव अकेले लड़ेगी बसपा, किसी से नहीं होगा गठबंधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि वह एनडीए या फिर विपक्षी गठबंधन इंडिया किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं होंगी। आने वाले विधानसभा चुनाव में व लोकसभा चुनाव 2024 में अकेले चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि एनडीए व इण्डिया गठबंधन अधिकतर गरीब-विरोधी जातिवादी, साम्प्रदायिक, धन्नासेठ-समर्थक व पूंजीवादी नीतियों वाली पार्टियां हैं जिनकी नीतियों के विरुद्ध बीएसपी अनवरत संघर्षरत है और इसीलिए इनसे गठबंधन करके चुनाव लड़ने का सवाल ही पैदा नहीं होता।

अतः मीडिया से अपील-नो फेक न्यूज प्लीज़। बीएसपी, विरोधियों के जुगाड, जोड़तोड़ से ज्यादा समाज के टूटे-बिखरे हुए करोड़ों उपेक्षितों को आपसी भाईचारा के आधार पर जोड़कर उनके गठबंधन से सन 2007 की तरह अकेले आगामी लोकसभा तथा चार राज्यों में विधानसभा का आमचुनाव लड़ेगी। मीडिया बार-बार भ्रान्तियां न फैलाए। उन्होंने कहा कि वैसे तो बीएसपी से गठबंधन के लिए यहां सभी आतुर, किन्तु ऐसा न करने पर विपक्षी द्वारा खिसयानी बिल्ली खंभा नोचे की तरह भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगाते हैं। इनसे मिल जाएं तो सेक्युलर न मिलें तो भाजपाई। यह घोर अनुचित तथा अंगूर मिल जाए तो ठीक वरना अंगूर खट्टे हैं, की कहावत जैसी। इसके अलावा, बीएसपी से निकाले जाने पर सहारनपुर के पूर्व विधायक कांग्रेस व उस पार्टी के शीर्ष नेताओं की प्रशंसा में व्यस्त हैं, जिससे लोगों में यह सवाल स्वाभाविक है कि उन्होंने पहले यह पार्टी छोड़ी क्यों और फिर दूसरी पार्टी में गए ही क्यों? ऐसे लोगों पर जनता कैसे भरोसा करे?

लोगों से सलाह कर लूंगा निर्णय : इमरान मसूद

लखनऊ। कांग्रेस का हाथ छोड़कर साइकिल की सवारी करते हुए हाथी पर सवार इमरान मसूद के एक बार फिर कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें शुरू हो गई हैं। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी और राहुल गांधी की तारीफ के बाद बहुजन समाज पार्टी ने उन्हें निष्कासित कर दिया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दमदार मुस्लिम नेताओं में गिने जाने वाले सहारनपुर निवासी इमरान मसूद विधानसभा चुनाव से ठीक पहले जनवरी 2022 में सपा में शामिल हो गए। उन्हें उम्मीद थी कि समाजवादी पार्टी प्रत्याशी बनाएगी और वह अपने कुछ खास लोगों को भी पार्टी से टिकट दिलाने में सफल हो जाएंगे, लेकिन निराशा हाथ लगी। सपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया। विधानसभा चुनाव परिणाम आया और भाजपा फिर सत्ता में आ गई। ऐसे में इमरान मसूद ने सपा अध्यक्ष पर आरोप लगाने शुरू कर दिए। उन्होंने यहां तक कहा कि सपा मुखिया ने उन्हें बुलाकर अपमानित किया। अक्तूबर 2022 में वह बसपा में शामिल हो गए। बसपा में पारिवारिक सदस्य को बसपा के टिकट पर सहारनपुर मेयर का चुनाव लड़ाया, लेकिन हार का सामना करना पड़ा।

एनडीए व इंडिया की चुनावी रणनीति का खाका होगा तैयार

चुनाव से पहले ही आमने-सामने आए

दोनों गठबंधनों की बैठक 1 सितंबर को

» एनडीए की बैठक में शामिल होगी एनसीपी-शिवसेना

» टीएमसी व सपा का रुख नरम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया और एनडीए के बीच 2024 की जंग रोचक हो गई है। दोनों गठबंधन अपना विस्तार करने में लगे हुए हैं। इसी कड़ी में दोनों दलों की एक सितंबर को मुंबई में बैठक होगी। इससे पहले 17-18 जुलाई को भी दोनों दलों की बैठक हुई थी। इसी दिन यूपीए का नाम बदलकर आईएनडीआईए किया गया था। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव होने हैं, जिसे लेकर विपक्षी गठबंधन इंडिया और सत्ता पक्ष के गठबंधन एनडीए के बीच लड़ाई तेज हो गई है। इंडिया की बैठक में लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन की रणनीतियों और राज्यवार सीटों के बंटवारे पर चर्चा होगी। यह भी माना जा रहा है कि इस दौरान इंडिया गठबंधन का लोगो भी जारी हो सकता है।

एनडीए के सहयोगी अजित पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी गुट की एक सितंबर को मुंबई में बैठक होगी। इस गुट के सांसद सुनील तटकरे ने कहा कि इस बैठक में सरकार की सहयोगी पार्टियां शामिल होंगी, जिनमें भाजपा, शिवसेना (एकनाथ शिंदे) और एनसीपी (अजित पवार) शामिल हैं। तटकरे ने बैठक की टाइमिंग को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि हमारी बैठक की योजना पिछले विधानसभा मानसून सत्र से बहुत पहले हमारी समन्वय समिति द्वारा बनाई गई थी। इसलिए यह कहने का कोई मतलब नहीं कि विपक्षी दलों की बैठक के दिन अपनी बैठक कर रहे हैं।

आइएनडीआइए गठबंधन का हिस्सा बनने के बाद तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसे दलों ने विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के प्रति अपने तीखे रूख में काफी कुछ नरमी दिखाई है। मुंबई में 31 अगस्त और एक सितंबर को होने वाली बैठक से पहले कई मौकों पर इन दोनों दलों ने कांग्रेस के राजनीतिक रूख का समर्थन करने में हिचकिचाहट नहीं दिखाई है। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओब्रायन महंगाई से लेकर रोजगार जैसे मुद्दों पर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के बयान का अनुमोदन करते नजर आए हैं। वहीं सपा नेतृत्व भी मुंबई बैठक से विपक्षी गठबंधन की राजनीतिक लड़ाई को नई ऊर्जा मिलने को लेकर खुलकर सकारात्मक संदेश देने रहा है। उत्तरप्रदेश के घोसी विधानसभा सीट के उपचुनाव में सपा का उम्मीदवार होने और कांग्रेस का बाहर से समर्थन करना भी संकेत है कि दोनों पार्टियां 2024 के चुनाव को लेकर अपनी दूरियां कम करने में जुट गई हैं।

26 से 27 दल शामिल होंगे : चव्हाण

पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक चव्हाण ने भी कन्फर्म किया है कि मुंबई में होने वाली इंडिया गठबंधन की बैठक में 26 से 27 दल शामिल होंगे। उन्होंने कहा,31 अगस्त की शाम को मुंबई में एक सभा होगी। इसके बाद एक सितंबर को गठबंधन की बैठक होगी। अब तक दो बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। इस तीसरी बैठक में अगले एजेंडे पर चर्चा होगी। हम एक साझा लोगो बनाने का फैसला कर रहे हैं, जिसका अनावरण 31 अगस्त को किया जा सकता है।

भाजपा की कोशिशों को नाकाम करने की योजना

विपक्षी दलों के गठबंधन आइएनडीआइए की मुंबई की तीसरी बैठक में 2024 के चुनाव की तैयारियों से लेकर गठबंधन के ढांचागत स्वरूप से जुड़े कई अहम मुद्दे बेशक चर्चा के प्रमुख एजेंडे में शामिल हैं मगर इस बैठक के दौरान एकजुटता के पहलु पर खास जोर दिया जाएगा। ताकि विपक्षी गठबंधन के बीच आपसी विरोधाभास का प्रचार करने की भाजपा की कोशिशों को नाकाम किया जा सके। मुंबई बैठक में इसके लिए विपक्षी पार्टियों के शीर्ष नेताओं के बीच आपसी रिश्तों पर टीका-टिप्पणी को लेकर अनौपचारिक आचार संहिता का दायरा तय करने पर चर्चा होगी। विपक्षी की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस गठबंधन के तौर पर आइएनडीआइए के सकारात्मक राजनीतिक नैरेटिव के लिए आपसी मतभेदों की मुखरता को थामने के लिए जोर लगा रही है।

बसपा को भी जोड़ने का प्रयास

समझा जाता है कि तृणमूल कांग्रेस की ओर से आइएनडीआइए में कुछ ऐसे अन्य दलों को शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है और इसमें बसपा भी शामिल है। सूत्रों का कहना है कि बसपा प्रमुख मायावती से भी संपर्क साधा गया है और उनको भी मुंबई बैठक में आने के लिए अनौचारिक चैनलों के जरिए टटोला जा रहा है। बसपा सुप्रीमो से सकारात्मक संकेत मिला तब औपचारिक निमंत्रण दिया जा सकता है।

चुने हुए सांसद तय करेंगे प्रधानमंत्री : पुनिया

कांग्रेस नेता पीएल पुनिया का कहना है कि गठबंधन ने तय किया है कि प्रधानमंत्री का फैसला सत्ता में आने के बाद तय किया जाएगा। चुने हुए सांसद अपना प्रधानमंत्री चुनेंगे। इंडियन नेशनल डेवलमेंट इनक्लूसिव अलायंस (आईएनडीआईए) कांग्रेस समेत 26 विपक्षी दलों का गठबंधन है। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करने से रोकने के लिए सभी पार्टियां एक साथ आई हैं। संयुक्त विपक्ष की पहली बैठक 23 जून को पटना में, जबकि दूसरी बैठक 17-18 जुलाई को बेंगलुरु में आयोजित की गई थी। तीसरी बैठक 31 अगस्त-एक सितंबर को मुंबई में होगी।

मसूद बसपा से निकल कर कांग्रेस में जा सकते हैं

समाजवादी पार्टी में शामिल होने के लिए कांग्रेस छोड़ने के नौ महीने बाद, इमरान मसूद अक्टूबर 2022 में बहुजन समाज पार्टी में चले गए थे। पार्टी में उनका स्वागत करते हुए, बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि मुस्लिम समुदाय आश्वस्त है कि यह बसपा है, न कि सपा जो भाजपा की घृणित और क्रूर राजनीति से छुटकारा दिला सकती है। बहुजन समाज पार्टी ने पूर्व विधायक इमरान मसूद को अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए निष्कासित कर दिया। 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद इमरान बसपा में शामिल हो गए और उन्हें पश्चिमी उत्तर प्रदेश का समन्वयक बनाया गया। खबरों के मुताबिक, सार्वजनिक मंचों पर लगातार कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तारीफ करने के बाद कुछ दिन पहले इमरान मसूद ने दिल्ली में उनसे मुलाकात की थी। इंडिया गठबंधन के बाद इमरान मसूद लगातार कांग्रेस के संपर्क में रहे। उन्होंने राहुल गांधी की तारीफ करते हुए कहा, राहुल गांधी पूरे देश में ऐसे नेता हैं, जो निडर होकर जनता के पक्ष में बोलते हैं। इमरान मसूद को समाजवादी पार्टी से नकुड़ विधानसभा सीट से टिकट नहीं दिया गया था जिसकी वजह वह अखिलेश से नाराज चल रहे थे। उन्होंने बाद में अखिलेश यादव को घमंडी तक बता दिया था। धीरे-धीरे मायावती से उनकी नजदीकियां बढ़ी और वह बसपा में शामिल हो गए। इससे पहले वह कांग्रेस में काफी लंबे समय तक रहे हैं। वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष थे। वे उत्तर प्रदेश कांग्रेस में सलाहकार परिषद के सदस्य थे। वह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के पूर्व राष्ट्रीय सचिव थे। उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ा और 4.10 लाख वोट हासिल किए। मार्च 2014 में एक वीडियो क्लिप सामने आया था जिसमें मसूद बीजेपी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी को धमकी देते नजर आ रहे थे। उन्होंने मोदी को लेकर विवादित बयान दिया था।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

खेलों में निराशा से आशा की ओर बढ़ा भारत

> नीरज ने गोल्ड पर परचम लहराया तो प्रज्ञा ने दूसरा स्थान हासिल किया। भाला फेंक अब तक कोई भी ऐथलीट देश को यह गौरव नहीं दिला पाया था। लेकिन बात सिर्फ इस एक गोल्ड की नहीं है। उनकी इस उपलब्धि के साथ ऐसी कई बातें जुड़ी हैं जो इसे खास बनाती हैं। पहली बात तो खुद नीरज चोपड़ा की अब तक की यात्रा है। चंद बरस पहले वह बढ़ते वजन से परेशान एक टीनेजर थे।

पहलवानों के संघर्ष व कुश्ती संघ की चुनाव में देरी की वजह से वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत को तिरंगे के बिना ही उतरना पड़ेगा। इस खबर से पहलवान ही नहीं कई खेल प्रेमी भी निराश हो गए थे। पर एथलीट नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड ऐथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी गोल्ड व शतरंज में प्रज्ञानानंद ने पदक जीतकर देश का सिर ऊंचा कर दिया है। नीरज ने गोल्ड पर परचम लहराया तो प्रज्ञा ने दूसरा स्थान हासिल किया। भाला फेंक अब तक कोई भी ऐथलीट देश को यह गौरव नहीं दिला पाया था। लेकिन बात सिर्फ इस एक गोल्ड की नहीं है। उनकी इस उपलब्धि के साथ ऐसी कई बातें जुड़ी हैं जो इसे खास बनाती हैं। पहली बात तो खुद नीरज चोपड़ा की अब तक की यात्रा है। चंद बरस पहले वह बढ़ते वजन से परेशान एक टीनेजर थे। 13 साल की उमर में उनका वजन 80 किलोग्राम हो गया था जिसकी वजह से उनकी उम्र के दूसरे बच्चे उन्हें चिढ़ाते थे। वहां से शुरू करके नीरज ने न सिर्फ अपने शरीर को साधा बल्कि अपने मन को अनुशासित कर इस तरह से केंद्रित किया कि लगातार आगे बढ़ते रहे।

साल 2018 में एशियाई खेल और फिर कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड, 2020 में तोक्यो ओलिंपिक्स में गोल्ड, 2022 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर, 2022 में ही डायमंड लीग में गोल्ड और 2023 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड लाने का उनका करिश्मा तो बहुत कुछ कहता ही है, सबसे बड़ी बात यह है कि इस दौरान वह अपने प्रदर्शन में लगातार सुधार करते रहे। अब भी उनका कहना है कि आने वाले कॉम्पिटिशंस में वह और बेहतर परफॉर्म करने की उम्मीद बनाए हुए हैं। 90 मीटर के लक्ष्य तक पहुंचने का उनका संकल्प कायम है। इसी से जुड़ी दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि नीरज चोपड़ा अपने व्यक्तित्व और प्रदर्शन की बदौलत देश के दूसरे ऐथलीट्स के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बने हुए हैं। बुडापेस्ट में हो रहे चैंपियनशिप की ही बात करें तो मेडल भले सिर्फ नीरज चोपड़ा के खाते में आया हो, लेकिन किशोर जेना और डीपी मनु ने भी बढ़िया प्रदर्शन किया। यह इस फील्ड में भारत की मजबूत उपस्थिति दर्शाता है। यही नहीं वर्ल्ड ऐथलेटिक चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच चुकी और नैशनल चैंपियनशिप की गोल्ड विनर अनु रानी और उनकी तरह के तमाम महिला-पुरुष एथलीट हैं, जिनके लिए नीरज चोपड़ा रोल मॉडल बने हुए हैं। इन सबका मिला-जुला प्रभाव है कि ऐथलेटिक्स के क्षेत्र में आने वाला दौर भारत के लिए उम्मीदों से भरा दिख रहा है। इससे पहले शतरंज में प्रज्ञानानंदा जैसे यंग टैलंट नई उम्मीदें दिखा रहे हैं, नीरज चोपड़ा की यह उपलब्धि न केवल देशवासियों के मनोबल को और ऊंचा करती है बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी निरंतर बेहतर करने का विश्वास और प्रेरणा देती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वैश्विक आर्थिक संकट में भारत के लिए अवसर

जयंतीलाल भंडारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में ब्रिक्स बिजनेस फोरम लीडर्स डायलॉग में कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में चुनौतियों और उथल-पुथल के दौर के बीच भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। इस समय एक मजबूत आर्थिक देश के रूप में भारत दुनिया के सामने खड़ा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार द्वारा मिशन-मोड में किए जा रहे सुधारों से भारत में कारोबारी सुगमता में वृद्धि हुई है। भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है और देश में 100 से अधिक यूनिकार्न हैं। साथ ही जल्द ही भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के रूप में उभरकर दुनिया के लिए विकास का इंजन बन जाएगा।

गौरतलब है कि 23 अगस्त को प्रकाशित एस एंड पी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस रिपोर्ट के मुताबिक इस समय लड़खड़ाती हुई वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भयावह काले बादल छाए हुए हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए 2023 में लगभग 2.5 प्रतिशत की वृद्धि दर संभावित की गई है। यह अगले वर्ष 2024 में और घटकर 2.4 फीसदी रह सकती है। यदि हम वैश्विक परिदृश्य को देखें तो पाते हैं कि पिछले वर्ष के दौरान तेजी से मौद्रिक नीति सख्त होने से वैश्विक आवास, बैंक ऋण और औद्योगिक क्षेत्र में कमजोरी आई है। स्पष्ट है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के हालात चुनौतीपूर्ण हैं। चीन, अमेरिका और जापान जैसी अर्थव्यवस्थाओं से भी चिंताजनक संदेश हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चीन की अर्थव्यवस्था को एक ऐसे टाइम बम की संज्ञा दी है, जो कभी भी फट सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जब बुरे लोगों को दिक्कत होती है तो वे बुरे काम करते हैं। दुनिया की वित्तीय एजेंसियां यह टिप्पणी कर रही हैं कि लगता है कि चार दशक से विकास कर रहे चीन के लिए अब अवसान का समय आ गया है। खासतौर से चीन की अर्थव्यवस्था से वैश्विक आर्थिक जोखिमें उभरती जा रही हैं। वित्त वर्ष 2023-24 की डगर पर चीन की अर्थव्यवस्था निराशाओं और मुश्किलों से घिरी हुई है।

कोविड-19 की सुस्ती के बाद चीन की अर्थव्यवस्था के द्वारा रफ्तार पकड़ने की उम्मीद थी। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया है। चीन के बाजार में सुस्त उपभोक्ता खर्च, निर्यात में गिरावट, बड़ी-बड़ी कंपनियों का दिवालियापन, युवाओं में बेरोजगारी से निराशा का बनता नया रिकॉर्ड, बढ़ते सरकारी ऋण,

घरेलू मांग में कमी, फूड से लेकर मकानों के मूल्यों में भारी गिरावट, कारोबारी गतिविधियों का धीमी होना, निवेशकों के चेहरे पर निराशाएं, मांग की तुलना में अधिक उत्पादन, सामाजिक सुरक्षा की चिंता में अधिक बचत की प्रवृत्ति के कारण बाजार में खरीदी में कमी जैसी जटिल स्थितियों के बीच अब चीनी अर्थव्यवस्था में जान फूंकने के रास्ते सीमित हो गए हैं। जहां चीन में इस समय मुद्रा संकुचन (मनी डिफ्लेशन) की स्थिति है, वहीं अमेरिका में मुद्रास्फीति (मनी इनफ्लेशन) की स्थिति है। अमेरिका मार्च, 2022 से अब तक 11 बार ब्याज दरों में इजाफा करने के बाद भी मुद्रास्फीति का सामना कर रहा है। अमेरिका असाधारण ऋण से भी गुजर रहा है। परिणामस्वरूप रेटिंग एजेंसी फिच ने अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग को एए प्लस से कम करके एएए कर दिया है। जापान में भी हालात अच्छे नहीं हैं। जापान में मुद्रास्फीति बढ़ी हुई है। जापान में इसके लिए खाद्यान्न, ईंधन और टिकाऊ वस्तुओं की ऊंची कीमतें उत्तरदायी हैं। डॉलर के मुकाबले येन की कीमत में भारी गिरावट आई है। उल्लेखनीय है कि विभिन्न नई वैश्विक रिपोर्टों के मुताबिक वर्ष 2023 में भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति वाली होगी। भारत की विकास दर 2023 में 5.9 फीसदी व 2024 में 6.1 फीसदी अनुमानित है। दुनिया के प्रमुख आर्थिक और वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में कहा जा रहा था कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा रखने वाला भारत वर्ष 2027 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरकर सामने आएगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था की बढ़ी हुई अनिश्चितताओं के बीच भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन दुनिया में भारत की अहमियत बढ़ा रहा है।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि देश की अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढ़ाने में आर्थिक वित्तीय सुधारों के साथ-साथ बुनियादी ढांचे में तेज वृद्धि की अहम भूमिका है। भारत बौद्धिक सम्पदा, शोध और नवाचार की डगर पर आगे बढ़कर विभिन्न क्षेत्रों में विकास को अपनी मुट्ठियों में कर रहा है। भारत के नवाचार दुनिया में सबसे प्रतियोगी, किफायती, टिकाऊ, सुरक्षित और बड़े स्तर पर लागू होने वाले समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। कारोबार सुगमता के लिए नई लॉजिस्टिक नीति, महत्वाकांक्षी गति शक्ति योजना और नई विदेश व्यापार नीति (एफडीपी) द्वारा नए अध्याय लिखे जा रहे हैं।

भारतीय सुरक्षा व्यवस्था को शक्ति व सामर्थ्य

डॉ. सुरेन्द्र कुमार मिश्र

स्वाधीनता के पश्चात भारत की सशस्त्र सेनायें अपने सबसे बड़े पुनर्गठन के दौर में हैं, क्योंकि प्रथम इंटीग्रेटेड थिएटर कमाण्ड (आईटीसी) को आरम्भ करने की तैयारी अत्यंत प्रगति पर है। वास्तव में थिएटर कमाण्ड द्वारा यह सुनिश्चित हो जाता है कि तीनों सेनाओं के बीच समन्वय बना हुआ है और सभी सैन्य बल एक साथ कार्य करने हेतु तैयार हैं। इस प्रकार की कमाण्ड गठित हो जाने से तुलनात्मक रक्षा व्यय भी कम हो जाता है और इससे बचत भी हो जाती है। इसके साथ ही संसाधनों का उपयोग शक्ति की मितव्ययता के सिद्धान्त के आधार पर किया जा सकता है। थिएटर कमाण्ड एक ऐसी संरचना है जिसे सैन्य प्रभाव प्राप्त करने के लिए युद्ध के थिएटर में सभी सैन्य बलों को नियंत्रित करने के लिए डिजाइन किया जाता है।

सामरिक रूप से इसे थल सेना, वायु सेना और नौसेना की एक संयुक्त कमाण्ड को थिएटर कमाण्ड कहा जाता है। वर्तमान भारत में मौजूदा सेवा विशेष कमाण्ड के मॉडल के विपरीत है, जिसमें सम्पूर्ण देश में थल सेना, वायु सेना और नौसेना सभी की अपनी अपनी कमाण्ड हैं। युद्ध की स्थिति में प्रत्येक सेना प्रमुख का दायित्व होता है कि वह व्यक्तिगत माध्यम से अपनी सेवा के संचालन को नियंत्रित एवं निर्देशित करे, जबकि ये सभी संयुक्त रूप से कार्य करते हैं। उल्लेखनीय है कि विशेष रूप से 19 मौजूदा कमाण्डों में से 17 एकल सेवा उन्मुख कमाण्ड हैं जिनमें सात थल सेना, सात वायु सेना और तीन नौ सेना कमाण्ड हैं। केवल अण्डमान और निकोबार कमाण्ड और सामरिक बल कमाण्ड, जो देश के परमाणु भण्डार के प्रभारी हैं, जो त्रिसेवा कमाण्ड के रूप में अपनी भूमिका निभाते हैं। भारतीय सेना को पांच थिएटर कमाण्डों में पुनर्गठित करने की प्रक्रिया शुरू करने का जो निर्णय किया गया है, उसके पीछे कुछ भूमिका मौजूदा परिस्थितियों में सेना की कार्यशैली और नजरिये में दूरगामी प्रकृति के बदलाव देखने को मिलेंगे। इस बात से कदापि भी नकारा नहीं जा सकता कि वर्तमान समय में देश की सेना जिन चुनौतियों से जूझ रही है, वे सामान्य नहीं हैं। पड़ोसी देश चीन एवं पाकिस्तान निरन्तर तनावपूर्ण स्थितियां पैदा करते रहते हैं।

उल्लेखनीय है कि जनवरी, 2020 में चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ जनरल विपिन रावत को थिएटर कमाण्ड में तीन वर्ष के लिए ट्राई सर्विसेज यूनाइटेड की कमान सौंपी गयी। सेवारत चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने पहले रसद, हथियार खरीद, समर्थन प्रणाली, परिवहन व संचार व्यवस्था को थिएटर कमाण्ड पर आगे बढ़ाकर 'नीचे से ऊपर' दृष्टिकोण के लिए विशेष रूप से बल दिया है। एकीकृत थिएटर कमाण्ड ने एक बहुत प्रतीक्षित सैन्य सुधार की रणनीति बनायी, जिसमें विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र के लिए सभी युद्ध लड़ने वाली सेनाओं और सभी सेनाओं में से एक ही कमाण्डर की अधीनता शामिल की जायेगी, हालांकि इसमें कुछ व्यावहारिक परेशानियां समाहित हैं।

रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार दा इण्टर सर्विस आर्गेनाइजेशन (कमाण्ड, कंट्रोल एण्ड डिसिप्लेन) बिल 2023 में इंटीग्रेटेड थिएटर कमाण्ड के लक्ष्यों के प्रावधान रखे गये हैं। इस विधेयक को 4 अगस्त, 2023 को लोकसभा में और बाद में राज्यसभा द्वारा भी पारित कर दिया गया। सेना की थिएटर कमाण्ड में तीनों सेनाओं (थल, नभ व नौ सेना) का प्रतिनिधित्व तो होगा ही, किन्तु अब आवश्यकता पड़ने पर इसमें अर्धसैनिक बलों को भी शामिल किया जा सकेगा। थिएटर कमाण्ड की प्रक्रिया को सरल एवं व्यावहारिक बनाने के लिए लाये गये विधेयक में इस बाबत कानूनी प्रावधान किया गया है। दरअसल, सीमाओं की सुरक्षा में रक्षा सेनाओं के साथ-साथ इण्डो-तिब्बत बार्डर पुलिस (आईटीबीपी), बार्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) तथा सेण्ट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) जैसे अर्धसैनिक बल भी अपनी सक्रिय एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

रक्षा मंत्रालय की योजना के अनुसार तीनों सेनाओं की मौजूदा 17 कमानों को अब चार थिएटर कमानों में बदला जायेगा। इसके तहत पूर्वी एवं पश्चिमी थिएटर कमाण्ड स्थल सेना की होगी, जिसका नेतृत्व स्थल सेना का एक लेफ्टिनेंट जनरल पद का सैन्य अधिकारी करेगा। जबकि एयर डिफेंस कमान का उत्तरदायित्व वायुसेना के अधिकारी को तथा समुद्री कमान का दायित्व नौसेना के पास होगा। उपर्युक्त चारों कमानों के मुख्यालय का निर्णय यथाशीघ्र होने की संभावना व्यक्त की गयी है। इसके साथ ही नये कानून के जरिये एक इण्टर सर्विसेज आर्गेनाइजेशन (आईएसओ) की स्थापना की जायेगी। इसमें कमाण्डिंग ऑफिसर को उसके अंतर्गत आने वाले सभी कर्मिकों के ऊपर कार्यवाही नियंत्रण एवं संचालन का अधिकार होगा। नि:संदेह इस विधेयक के कानून बनने से अंतर सेना संगठन की दक्षता व कार्य कुशलता बढ़ेगी और अनुशासनात्मक कार्यवाही को शीघ्रता के साथ निस्तारित किया जा सकेगा। इसमें सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह केन्द्र सरकार को एक अन्तर सेवा संगठन गठित करने का अधिकार देता है। इस प्रकार एकीकृत थिएटर कमाण्ड के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त होता है- जो कि एक प्रमुख समसामयिक सैन्य सुधार है।

पाचन रोग और सर्जरी

पाचन तंत्र हमारे शरीर का एक ऐसा हिस्सा है जो हमारे द्वारा ग्रहण किए गए सभी खाद्य पदार्थों को पचाने का काम करता है। पाचन संबंधी एक गंभीर रोग है। यह ऐसी स्थिति है जिसमें पेट का एसिड वापस आपकी फूड पाइप (एसोफेगस) में प्रवाहित हो जाता है। यह एसिड फूड पाइप की लाइनिंग को नुकसान पहुंचा सकता है और पाचन तंत्र के रोग का कारण बन सकता है। विभिन्न लोगों को एसिड के उल्टा प्रवाह और सीने में जलन जैसी पाचन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जब ऐसे लक्षण सप्ताह में दो बार दिखाई दें या आपकी फूड पाइप को नुकसान पहुंचे तो आपको पाचन तंत्र के रोग हो सकता है। गैस्ट्रिक बाईपास सर्जरी, आंतों में सूजन की समस्या या क्रोनिक डायरिया जैसी बीमारियों के कारण भी किडनी की सामान्य प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। ऐसी स्थिति में किडनी ठीक तरीके से अपशिष्टों को फिल्टर नहीं कर पाती है। अगर इस तरह की बीमारियों के शिकार हैं तो किडनी की सेहत का ख्याल रखना आवश्यक हो जाता है।

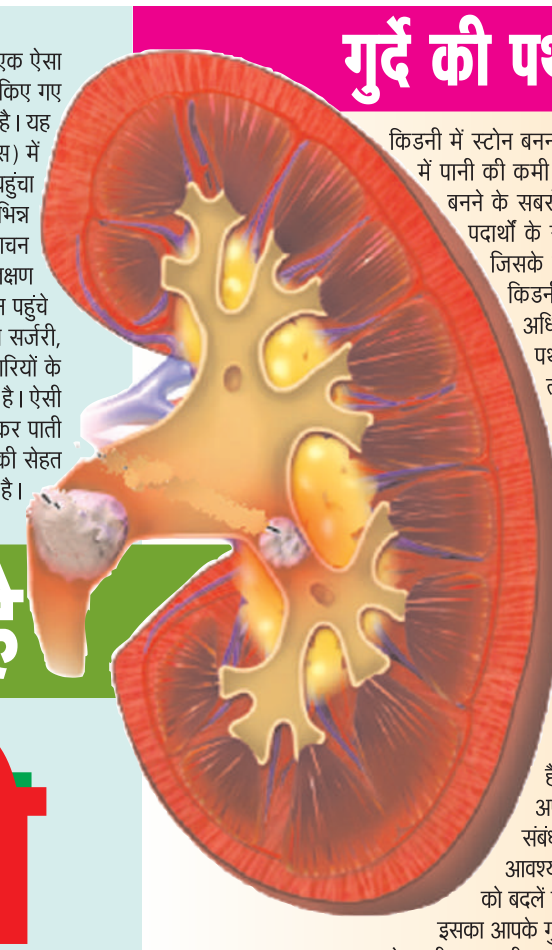

गुर्दे की पथरी का खतरा

किडनी में स्टोन बनना सीधे तौर पर तरल पदार्थों या शरीर में पानी की कमी से जुड़ा हुआ है। यह गुर्दे की पथरी बनने के सबसे आम कारणों में से एक है। कम तरल पदार्थों के सेवन से मूत्र का निर्माण कम होता है जिसके कारण मूत्र गाढ़ा होने लगता है। इससे किडनी में स्टोन बनाने वाले पदार्थों की अधिकता हो सकती है। यदि किडनी की पथरी आपके मूत्रमार्ग में फंस जाती है, तो यह मूत्र के प्रवाह को अवरुद्ध कर सकती है जिससे किडनी में सूजन और कई गंभीर प्रकार की समस्याओं का भी खतरा रहता है।

बचाव

पहली और बड़ी सावधानियों में से एक है पर्याप्त पानी पीना। क्योंकि पथरी के पेशाब के रास्ते निकल जाने की संभावना रहती है। तब तक पियें जब तक आपका मूत्र पीला या भूरा न हो जाये। यह आवश्यक है कि आप अपनी आहार संबंधी आवश्यकताओं को बदलें ताकि इसका आपके गुर्दे के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़े। सही प्रकार की आहार संबंधी आदतें खाने से पथरी बनने का खतरा कम हो जाता है। बेहतरीन प्रभाव के लिए आपको ये सब्जियां और फल खाने चाहिए- अजवाइन, तुलसी, सेब, अंगूर, अनार।

कम पानी पीने से हो सकता है
किडनी स्टोन

किडनी स्टोन, दैनिक आहार में गड़बड़ी के कारण होने वाली समस्या है, साल 2019 के आंकड़ों के अनुसार करीब 115 मिलियन लोगों में इस साल समस्या का निदान किया गया। किडनी स्टोन, किडनी में मिनरल्स और सॉल्ट एकत्रित होने के कारण होने वाली समस्या है, जो काफी दर्दकारक और असहज स्थिति हो सकती है। किडनी में स्टोन होने के कई कारण हो सकते हैं, जिसमें आहार में गड़बड़ी, शरीर का वजन बढ़ना, कुछ चिकित्सीय स्थितियां और कम पानी पीना प्रमुख कारण माना जाता रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, किडनी की पथरी आपके मूत्र पथ के किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकती है। हमारी किडनी स्वाभाविक रूप से तरल पदार्थों को फिल्टर करती रहती है हालांकि कुछ तत्वों की अधिकता के कारण क्रिस्टल निर्मित होने लगते हैं जिसके कारण आपको किडनी स्टोन की समस्या हो सकती है।

इन चीजों के सेवन में बरतें सावधानी

आहार में कुछ प्रकार की चीजें या फिर प्रोटीन, सोडियम (नमक) और चीनी से भरपूर चीजों का अधिक मात्रा में सेवन करना भी किडनी की पथरी का खतरा बढ़ा सकता है। अधिक मात्रा में सोडियम वाले आहार के कारण जोखिम अधिक हो सकता है। पालक, बैंगन जैसे ऑक्सालेट से भरपूर अधिकांश खाद्य पदार्थों के अलावा कुछ प्रकार के सप्लीमेंट्स के कारण भी किडनी में स्टोन की समस्या होने का जोखिम बढ़ सकता है। ऑक्सालेट युक्त भोजन से बचना चाहिए, जैसे शकरकंद, नट्स, चाय, चॉकलेट, सोया उत्पाद आदि। गंभीर चिकित्सा आपात स्थिति के मामलों में, तत्काल नैदानिक सहायता के लिए डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

मोटापे के शिकार

अधिक वजन को पहले भी कई प्रकार की समस्याओं जैसे हृदय रोग, डायबिटीज और अन्य क्रोनिक बीमारियों से जोड़कर देखा जाता रहा है, ये किडनी में स्टोन की समस्या को भी बढ़ाने वाली स्थिति हो सकती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि हाई बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई), कमर पर अधिक चर्बी होने की समस्या भी किडनी में स्टोन बनने का कारण हो सकती है। वजन कंट्रोल करना आपको कई तरह की बीमारियों से बचाने में सहायक हो सकता है।

हंसना मना है

बीवी-जो आदमी रोज शराब पीकर आये उसके लिए मेरे मन में कोई हमदर्दी नहीं है..! पति-जिसको रोज शराब मिल जाये, उसे तुम्हारी हमदर्दी की जरुरत भी नहीं है!

पति ने पत्नी को वश में करने के लिए एक ताबीज लिया? एक महीने बाद पति-बाबा, पत्नी पर तो कोई असर नहीं हुआ, पर पड़ोसन वश में आ गई? बाबा: चलो इफेक्ट न सही, साइड इफेक्ट तो हुआ?

एक आदमी की मौत के बाद उसका दोस्त उसकी पत्नी के पास आया और बोला-क्या मैं उसकी जगह ले सकता हूं? पत्नी-मुझे कोई ऐतराज नहीं है। कब्रिस्तान वालों से पूछ लो।

एक भिखारी रोज-रोज मांग कर खाते-खाते तंग आ गया था। एक दिन उसने भगवान से प्रार्थना की-भगवान, मुझे खाने को ऐसा कुछ दे दो जो खाने पर भी खत्म न हो! भगवान बोले -ये ले बेटा च्यूइंग गम!

एक बूढ़ा आदमी डॉक्टर के पास गया और बोला, डॉक्टर साहब, मेरी यादाश्त बहुत कमजोर हो गई है। डॉक्टर ने कहा, क्या आपको कभी पहले भी ऐसा हुआ है? बूढ़ा आदमी बोला, क्या? क्या मैं पहले भी यहां आया हूं?

कहानी | बिना चिंतन के कीर्तन का कोई लाभ नहीं

एक राजा था, उसने सुना कि राजा परीक्षित ने भागवत की कथा सुनी तो उनका कल्याण हो गया। राजा के मन में आया कि अगर मैं भी भागवत की कथा सुन लूं तो मेरा भी कल्याण हो जायगा। राजा ने एक पण्डित जी से बात की। पण्डित जी भागवत सुनाने के लिये तैयार हो गये। भागवत-कथा आरम्भ हुई। सात दिन बीतने पर कथा समाप्त हुई। दूसरे दिन राजा ने पण्डितजी को बुलाया और कहा: पण्डित जी ! न तो आपने भागवत सुनाने में कोई कमी रखी, न मैंने सुनने में कोई कमी रखी, फिर भागवत सुनने पर कोई फर्क तो नहीं पड़ा, बात क्या है? पण्डित जी ने कहा: महाराज! इसका उत्तर तो मेरे गुरु जी ही दे सकते हैं। राजा ने कहा: आप अपने गुरुजी को आदरपूर्वक मेरे यहां ले आयें, हम उनसे पूछेंगे। पण्डित जी अपने गुरु जी को लेकर राजा के पास आये। राजा ने अपनी शंका गुरु जी के सामने रखी कि, भागवत सुनने पर भी मेरा कल्याण क्यों नहीं हुआ? मन की हलचल क्यों नहीं मिटी? गुरूजी ने राजा से कहा कि थोड़ी देर के लिये मुझे अपना अधिकार दे दो। राजा ने उनकी बात स्वीकार कर ली। गुरु जी ने आदेश दिया कि राजा और पण्डित जी दोनों को बांध दो। राजपुरुषों ने दोनों को बांध दिया। अब गुरूजी ने पण्डित जी से कहा कि, तुम राजा को खोल दो। पण्डित जी बोले: मैं खुद बंधा हुआ हूं, फिर राजा को कैसे खोल सकता हूं! गुरु जी ने राजा से कहा: तुम पण्डित जी को खोल दो। राजा ने भी यही उत्तर दिया? गुरु जी ने कहा: महाराज! मैंने आपके प्रश्न का उत्तर दे दिया! राजा ने कहा: मैं समझा नहीं! गुरूजी बोले: जैसे खुद बंधा हुआ आदमी दूसरे को बन्धन-मुक्त नहीं कर सकता है, वैसे ही स्वयं ज्ञान को अपने अनुभव में उतारे बिना कोई दूसरे का कल्याण कैसे कर सकता है? शास्त्रों-स्मृतियों का ज्ञान जब तक स्वयं के चिंतन-मनन-अनुभव में न उतार लिया जाए मात्र उनके श्रवण-कीर्तन से कल्याण की कामना करना वैसे ही है जैसे बिना दवा निगले रोगी के स्वस्थ हो जाने की आशा करना। बिना अनुभव में लाया हुआ सम्पूर्ण शास्त्र-ज्ञान व्यर्थ है जबकी अनुभव किया गया शास्त्र का एक वाक्य भी जीवन का कल्याण करने में समर्थ है।

7 अंतर खोजें

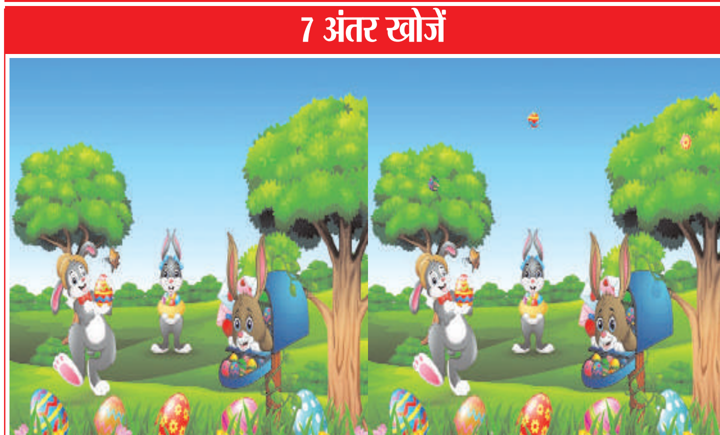

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृषभ आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। शुभ समय। शत्रु भय रहेगा।

मिथुन नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रमाद से बचें।

कर्क आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर में सुख-शांति रहेगी।

कन्या दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

तुला अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे।

वृश्चिक दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी। राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

धनु लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भागदौड़ रहेगी।

मकर कोई नई समस्या आ सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई नई समस्या आ सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें।

कुम्भ सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है।

मीन आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। सोच-समझकर निर्णय लें। पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी।

बॉलीवुड गपशप

प्रभास की सालार में रॉकी भाई की होगी दमदार एंट्री

साउथ स्टार प्रभास स्टारर सालार का हर कोई वेट कर रहा है। वहीं एक्टर के करियर के लिहाज से भी ये फिल्म काफी महत्वपूर्ण होने वाली है। साहो, राधे श्याम और आदिपुरुष की असफलता के बाद फैंस प्रभास की अगली फिल्म सालार से काफी उम्मीद लगाकर बैठे हैं। जिसका कारण है फिल्म केजीएफ 2 के निर्देशक प्रशांत नील, जो इस फिल्म को बना रहे हैं। वहीं जब से सालार में यश के कैमियो की खबर आई है, दर्शकों से फिल्म का इंतजार नहीं हो रहा है। जब से प्रभास स्टारर सालार का ऐलान हुआ है, तब से कयास लगाए जा रहे है कि ये निर्देशक प्रशांत नील के केजीएफ यूनिवर्स का हिस्सा होगी। अब इन खबरों को और पुख्ता करते हुए सामने आई अपडेट भी कुछ यही इशारा दे रही है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो प्रभास के साथ सालार में सुपरस्टार यश दिखाई दे सकते हैं। इस मूवी में प्रभास के साथ यश की धांसू एंट्री होगी। वो इस फिल्म में एक दमदार कैमियो करते दिखेंगे।

ये फिल्म दर्शकों को पहले कभी नहीं देखे गए एक्शन सीन्स और एक रोमांचक बैकग्राउंड स्कोर द्वारा समर्थित एक भव्य कैनवास के साथ एंटरटेन करने जा रही है। इसके अलावा, यह सबसे बड़ी एक्शन फ्रेंचाइजी केजीएफ के निर्देशक प्रशांत नील और बाहुबली स्टार प्रभास के व्यापक सहयोग का भी प्रतीक है, जो पहली बार एक साथ आ रहे हैं। सालार- पार्ट 1 - सीजफायर के निर्माताओं ने अभी तक फिल्म का प्रचार नहीं शुरू किया है। हालांकि, उन्होंने हाल ही में एक प्रीव्यू के साथ दर्शकों को सालार की दुनिया की एक झलक दी है। अब मेकर्स ट्रेलर पर काम कर रहे हैं और इसे सितंबर के पहले हफ्ते में रिलीज करना चाहते हैं। साथ ही ट्रेलर रिलीज़ के समय वे फिल्म को बड़े लेवल पर प्रमोट करने की योजना भी बना रहे हैं। होम्बले फिल्म्स की सालार: पार्ट 1- सीजफायर में प्रभास के साथ पृथ्वीराज सुकुमारन, श्रुति हासन और जगपति बाबू हैं। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी यह फिल्म 28 सितंबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

के के मेनन स्टारर बंबई मेरी जान का 14 सितंबर को होगा प्रीमियर

प्राइम वीडियो ने अपने आने वाले क्राइम ड्रामा, बंबई मेरी जान के ग्लोबल प्रीमियर की घोषणा कर दी है। 10-एपीसोड वाली इस सीरीज़ का प्रीमियर 14 सितंबर को भारत और 240 देशों में प्राइम वीडियो पर होगा। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी, कासिम जगमगिया और फरहान अख्तर द्वारा निर्मित, एस. हुसैन जैदी की कहानी के साथ, बंबई मेरी जान रेंसिल डिसिल्वा और शुजात सौदागर द्वारा क्रिएट की गई हैं। वहीं ये सीरीज शुजात सौदागर द्वारा निर्देशित हैं।

इस सीरीज में अमायरा दस्तूर अहम रोल में हैं। जबकि के के मेनन, अविनाश तिवारी, कृतिका कामरा और निवेदिता भट्टाचार्य जैसे बहुमुखी और प्रतिभाशाली कलाकार भी इसका हिस्सा हैं। यह फिक्शनल क्राइम सीरीज एक पिता और बेटे की एक मनोरंजक कहानी है, दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। ये सीरीज अच्छाई वर्सेज बुराई की क्लासिक, यूनिवर्सल लड़ाई की खोज करती है। आजादी के बाद के दिनों पर आधारित, यह कहानी एक युवा, दारा कादरी (तिवारी द्वारा अभिनीत) के जीवन और उत्थान को दर्शाती है, जो अपने पिता की कानून प्रवर्तन विरासत (मेनन द्वारा अभिनीत) और संगठित अपराध के केंद्र में अपनी यात्रा के बीच उलझा हुआ है।

इस पर बात करते हुए प्राइम वीडियो में इंडिया ओरिजिनल्स की हेड अपर्णा पुरोहित ने कहा, बंबई मेरी जान सपनों और महत्वाकांक्षाओं की एक जटिल और दिलचस्प कहानी है, जहां सत्ता के लिए कभी न मिटने वाली भूख किसी की पसंद को परिभाषित करती है। कहानी एक सिम्फनी की तरह है जो अपने मेन किरदारों की सोच और भावनाओं को गहराई से उजागर करती है, क्योंकि वे अपनी पसंद के परिणामों से जूझते हैं।

एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के रितेश सिधवानी ने कहा, आजादी के बाद के युग पर आधारित, बंबई मेरी जान एक आजाद राष्ट्र की पृष्ठभूमि पर मुंबई में अंडरवर्ल्ड के जन्म की कहानी कहती है। दर्शक एक एंटरटेनिंग गैंगस्टर थ्रिलर देखेंगे, जो अच्छाई वर्सेज बुराई की क्लासिक, यूनिवर्सल लड़ाई को एक्सप्लोर करेगी।

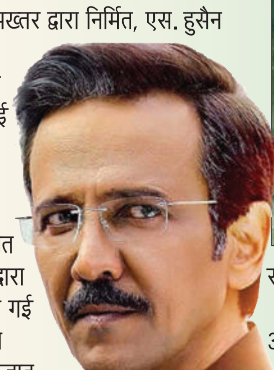

बॉलीवुड मन की बात

ओटीटी पर महिलाओं के बढ़ते रुतबे से खुश हैं रानी मुखर्जी

ओटीटी प्लेटफॉर्म अदाकाराओं के लिए संजीवनी सरीखा साबित हुआ है। बड़े पर्दे के मुकाबले यहां उन्हें काम करने के ज्यादा मौके उपलब्ध हुए हैं और अच्छी पहचान मिली है। बड़े पर्दे पर सफलता का स्वाद चख चुकी कई अभिनेत्रियों ने भी ओटीटी प्लेटफॉर्म का रुख किया है। ओटीटी पर महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और यहां उन्हें मिलने वाले किरदारों पर हाल ही में रानी मुखर्जी ने अपनी बात रखी है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान रानी मुखर्जी ने फिल्मों के विपरीत ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने वाले ज्यादा महिला-केंद्रित कंटेंट पर अपनी राय साझा की है। रानी का मानना है कि महिलाओं को फिल्मों में हमेशा महत्वपूर्ण और लीड रोल मिलने चाहिए। महिलाओं को कहानी बदलनी होगी। उन्होंने कहा, हालांकि, अभी के वक्त में हम फिल्मों की बजाय ओटीटी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर हम महिलाओं का दबदबा ज्यादा देख रहे हैं। रानी मुखर्जी से जब पूछा गया कि क्या वह मानती हैं कि ओटीटी ने नैरेटिव बदला है? इस पर रानी ने कहा, मुझे लगता है कि महिलाओं के लिए जो भी परिदृश्य बदलता है वह अच्छा ही होता है, और महिलाएं जो करना चाहती हैं, वह तब तक सबसे अच्छा है जब तक लोग हमारा काम देखते हैं... क्योंकि हम कलाकार तभी सफल हो सकते हैं, जब दर्शक हमारा काम देखते हैं। रानी मुखर्जी ने कहा, हम लोग इसलिए काम नहीं कर रहे कि सिर्फ पांच लोग आकर हमारी फिल्म देखें। हम चाहते हैं कि पूरी दुनिया के लोग हमारा काम देखें। रानी ने आगे यह तर्क दिया कि फिल्में सिर्फ थिएटर एक्सपीरियंस के लिए नहीं बनाई जा सकतीं। रानी ने कहा कि वह चाहेंगी कि फिल्मों में महिला केंद्रित किरदार करें और दर्शक सिनेमाघरों में इसका लुत्फ उठाएं। इससे नैरेटिव बदलेगा। रानी के वर्कफ्रंट की बात करें तो आखिरी बार वह इसी साल रिलीज हुई फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे में नजर आई थीं। एक्ट्रेस जल्द ही मर्दानी 3 में नजर आएंगी।

इस गांव में दिन ढलते ही आसमान से बरसने लगता है पत्थर

शक्ति जिले के ग्राम काशीगढ़ में रहने वाले लोग इन दिनों काफी परेशान है। गांव में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही पत्थर की बरसात से लोग दहशत के साए में जीने को मजबूर है। ग्रामीणों की माने तो इसके पीछे कोई अदृश्य शक्ति है। कई बार ग्रामीणों ने घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने की कोशिश की, लेकिन नतीजा असफल रहा। मिली जानकारी के अनुसार सक्ति जिले के ग्राम काशीगढ़ में दो सप्ताह से अजीब सी घटना हो रही है। आधा दर्जन मकानों पर पत्थरों की बरसात हो रही है। ग्रामीण बताते हैं कि दिनदहाड़े आसमान से घरों पर ईट और पत्थर गिर रहे हैं। यह ईट और पत्थर किसके द्वारा बसाया जा रहा है समझ नहीं आ रहा। किसी ने भी किसी व्यक्ति को पत्थर फेंकते नहीं देखा है। इस पथराव की घटना से ग्रामीण क्षेत्रों में कच्चे मकान के छज्जे टूट रहे हैं। वहीं ग्रामीणों को भी चोटें आ रही है। इस पत्थरबाजी की घटना से गांव के ग्रामीण डर के साए में जीने को मजबूर है। ग्रामीणों ने पत्थर बाज व्यक्ति को पकड़ने के लिए संयुक्त रूप से योजना बनाकर प्रयास भी किया लेकिन कोई व्यक्ति पकड़ में नहीं आया। इसके बाद से ग्रामीण इसके पीछे किसी अदृश्य शक्ति का होना मान रहे है। ग्रामीणों ने पत्थर फेंकने वाले का पता लगाने के लिए थाना को भी सूचना दिया लेकिन पुलिस भी हकीकत जानने पर असफल साबित हुई। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में भी मोतीसागर पारा बस्ती में ऐसे ही एक घटना कुछ दिन पूर्व सामने आई थी। जिसमें शाम होते ही बस्ती के घरों के ऊपर पत्थर और ईंटों की बरसात होती थी। बस्तीवासियों ने भी पत्थरबाज को पकड़ने का काफी प्रयास किया, लेकिन नहीं पकड़ में आ सका। फिलहाल बस्ती में पत्थरों के बरसात होने की घटना नहीं हो रही है।

अजब-गजब | इस पहाड़ पर आज भी है भूतों का वास

प्रेतशिला के छिद्रों और दरारों से बाहर निकलती हैं प्रेतात्माएं, पिंडदान स्वीकार पर चली जाती हैं वापस

गया। गया को मोक्षधाम कहा जाता है, क्योंकि यहां पितरों को मोक्ष के साथ-साथ मुक्ति मिलती है। यही कारण है कि पितृपक्ष में अपने पितरों को मोक्ष दिलाने के लिए काफी संख्या में पिंडदानी देश-विदेश से यहां आते हैं। इस दौरान एक, तीन, पांच, सात, 15 और 17 दिनों तक 54 वेदियों पर पिंडदान कर पितरों के लिए मोक्ष की कामना करते हैं।

इस क्रम में पितृपक्ष के तीसरे दिन प्रेतशिला पिंडवेदी पर कर्मकांड करते हैं। ऐसी मान्यता है कि प्रेतशिला पर्वत पर पिंडदान करने से अकाल मृत्यु को प्राप्त पूर्वजों तक सीधे पिंड पहुंच जाता है। जिससे उन्हें कष्टदायी योनियों से मुक्ति मिलती है। प्रेतशिला को भूतों का पहाड़ कहा जाता है। इस स्थान पर लोग समय से पहले मरने वाले व्यक्ति की फोटो रखते हैं और उनके नाम पर एक पिंड दान करते हैं। जिन लोगों की असमय मृत्यु हुई होती है, उनके लिए प्रेतशिला की वेदी पर श्राद्ध और पिंड चढ़ाने का विशेष महत्व है। इसके बाद पितरों को कष्टदायक योनि से मुक्ति मिल जाती है। कहा जाता है कि इस पहाड़ पर आज भी भूतों का वास है। रात 12 बजे के बाद यहां भूत आते हैं। यह पूरी दुनिया का सबसे पवित्र स्थान है, इसलिए यहां भूतों का वास होता है। प्रेतशिला के छिद्रों और दरारों से प्रेतात्माएं बाहर निकलती हैं और अपने परिजनों द्वारा किए गए पिंडदान को स्वीकार कर वापस चली जाती हैं।

विष्णु पुराण के मुताबिक, गया में पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष मिल जाता है और वे स्वर्ग चले जाते हैं। प्रेतशिला वेदी के पास विष्णु भगवान के चरण के निशान भी हैं। साथ ही इस वेदी के पास पत्थरों में दरार है। गया स्थित 54 पिंड वेदी की सभी वेदियों पर तिल, गुड़, जौ आदि से पिंड दिया जाता है। परंतु, प्रेतशिला वेदी के पास तिल मिश्रित सत्तु छिंटा उड़ाया जाता है।

प्रेतशिला गया शहर से लगभग 6 किमी उत्तर-पश्चिम दिशा में स्थित है। यह हिंदुओं के लिए एक धार्मिक स्थान है, जहां वे पिंड दान करते हैं। यह सदियों से चली आ रही एक परंपरा है। लोगों का मानना है की इस जगह पर पिंडदान करने के बाद आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति होती है। पहाड़ी की चोटी पर भगवान यम को समर्पित एक मंदिर है, जो हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार मृत्यु के देवता हैं। मंदिर का निर्माण शुरू में इंदौर की रानी अहिल्याबाई होल्कर ने किया था। हालांकि अबतक कई बार इसका जीर्णोद्धार भी किया गया है।

भाजपा को सता रहा है हार का डर : उद्धव

सामना में लेख से भाजपा पर साधा निशाना, हेलीकॉप्टर भी बुक करा लिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शिवसेना उद्धव गुट के अध्यक्ष और सामना अखबार के मुख्य संपादक उद्धव ठाकरे ने आज भाजपा पर हमला बोला है। सामना में छपे संपादकीय में कहा गया कि भाजपा हर तरीके से डरी हुई है। लेख में कहा गया कि मुंबई समेत 12 महानगरपालिकाओं का चुनाव कब होगा ये अभी तक तय नहीं हुआ, लेकिन लोकसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं।

उद्धव ठाकरे ने लेख में कहा कि लोकसभा चुनाव इस बार दिसंबर में ही करवाया जा सकता है, ऐसा दावा बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने किया है। ठाकरे ने ये भी कहा कि ममता का दावा मानें तो भाजपा हार के डर से अभी से चुनाव प्रचार के लिए देशभर के हेलीकॉप्टर बुक कर चुकी है। सामना में कहा गया कि निजी, छोटे विमान, हेलीकॉप्टर्स की बुकिंग करके भाजपा

अपने विरोधियों को परेशान करना चाहती है, जो केवल सत्ता का दुरुपयोग है। लेख में भाजपा पर आरोप लगाए गए कि वो भ्रष्टाचार से पैसा इकट्ठा करती है और फिर इससे विरोधियों को हराने में जुट जाती है।

चंद्रयान से प्रचार भी काम नहीं आएगा

सामना में यह भी आरोप लगाया गया कि भाजपा ने ईवीएम भी बुक कर ली है। लेख में कहा गया कि भाजपा चाहे कुछ भी कर ले, वो चाहे चंद्रयान से भी प्रचार कर ले उसे हारना ही है। अखबार में कहा गया कि भाजपा सांसद डी. अरविंद ने कहा है कि ईवीएम का कोई भी बटन दबा लिया जाए, वोट भाजपा के पक्ष में ही जाता है।

मोदी-अमित शाह की कुंडली में राजयोग खत्म

संपादकीय में कहा गया कि इंडिया गठबंधन ने साफ तौर पर लोकसभा चुनाव जीतकर देश में सत्ता परिवर्तन करने का बीड़ा उठा लिया है। लेख में कहा गया कि 2024 में बुरा दौर खत्म होगा, क्योंकि मोदी-शाह की कुंडली में राजयोग अब और नहीं बचा है।

इस्तीफा न लेता तो भुजबल जेल में होते : शरद पवार

» तेलगी केस में छगन के आरोपों पर किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। छगन भुजबल ने शरद पवार की आलोचना की है और शरद पवार ने उनकी इस आलोचना का जवाब दिया है। शरद पवार ने अपने समर्थक नेताओं को लड़ने के लिए तैयार रहने को कहा है। छगन भुजबल ने कहा था कि उन्हें बर्खास्त किया गया था लेकिन शरद पवार पर आरोप थे लेकिन उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। पिछले दिनों उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मौजूदगी में बीड में हुई बैठक में छगन भुजबल ने शरद पवार की आलोचना की। इसकी गूंज महाराष्ट्र में कई जगहों पर सुनाई दे रही है।

अजित पवार और शरद पवार खेमे के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। छगन भुजबल की आलोचना पर एनसीपी के कई नेताओं ने प्रतिक्रिया दी है। अब शरद पवार ने छगन भुजबल पर निशाना साधा है। उन्होंने अपनी पार्टी के नेताओं की एक बैठक में कहा कि अगर मैं उस समय छगन भुजबल का इस्तीफा नहीं लेता, तो वह तेलगी केस में भी जेल में होते। शरद पवार ने अपने समर्थक नेताओं से बिना किसी भ्रम में पड़े लड़ने के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने

कहा कि मैं लड़ाई के लिए तैयार हूं, आप लोग भी तैयार रहिए। सोमवार को बीड की सभा में एनसीपी अजित गुट के नेता छगन भुजबल ने शरद पवार के खिलाफ बोलते हुए कहा था कि मैंने तेलगी के खिलाफ कार्रवाई की थी, फिर भी शरद पवार ने तेलगी कांड में मुझ से इस्तीफा लिखवा लिया था। शरद पवार छगन के इसी आरोप का जवाब दे रहे थे।

तेलगी मामले में, मूल आरोप पत्र में नाम हटा दिए गए थे। जितेंद्र आव्हाड ने सोमवार को ट्वीट किया, एक अदृश्य हाथ ने सभी नाम मिटा दिए। तेलगी मामले की जांच सीबीआई ने की थी।

दिग्विजय सिंह के खिलाफ दमोह में एफआईआर दर्ज

» कुंडलपुर में शिवलिंग की स्थापना से जुड़ा है मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दमोह। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के द्वारा किए गए पोस्ट को लेकर मचे बवाल के बाद अब दमोह कोतवाली में उनके खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। मंगलवार की रात बजरंग दल के सदस्यों द्वारा कोतवाली पहुंचकर शिकायती आवेदन दिया गया, जिसके बाद पुलिस ने दिग्विजय सिंह के खिलाफ धारा 153,177,505(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दमोह सीएसपी अभिषेक तिवारी ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद जिला संयोजक शंभू विश्वकर्मा के द्वारा दिग्विजय सिंह द्वारा सोशल मीडिया साइट एक्स पर किए गए पोस्ट को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी, इसके बाद यह मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच कराई गई थी जो तथ्यहीन निकली, जिसके बाद यह कर्रवाई

पूर्व सीएम ने किया था ट्वीट

बता दें, 28 अगस्त को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के द्वारा अपने ट्विटर अकाउंट से एक ट्वीट किया गया था, जिसमें उन्होंने लिखा था कि आचार्य विद्यासागर महाराज द्वारा देश के सबसे भव्य मंदिरों में से एक श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर परिसर में कल रात्रि से बजरंग दल के कथित आसामाजिक तत्वों द्वारा शिवजी की पिंडी रख उत्पात शुरू कर चुके हैं। स्थिति कभी भी गंभीर मोड़ ले सकती है यह गंभीर विषय है प्रशासन तत्काल कार्रवाई करे।

की गई है। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी को लेकर उन्होंने बताया कि इस मामले की जांच की जा रही है कि यह सोशल मीडिया अकाउंट किसके द्वारा चलाया जा रहा था और इसका सोर्स क्या था।

बीजेपी नेता संबित पात्रा को राहत नहीं

» केजरीवाल के वीडियो में छेड़छाड़ की होगी जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सत्र अदालत ने भाजपा नेता संबित पात्रा की उस पुनरीक्षण याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें नवंबर 2021 के मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। इसी के साथ उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का रास्ता साफ हो गया। मजिस्ट्रेट ने दिल्ली पुलिस को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा अब रद्द किए गए कृषि कानूनों का समर्थन करने संबंधी कथित रूप से छेड़छाड़ किया गया वीडियो पोस्ट करने के लिए उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया गया था।

हालांकि अदालत ने पात्रा को आरोपी बनाए बिना पुलिस को आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया है। अदालत ने पुलिस की प्रारंभिक रिपोर्ट का उल्लेख किया, जिसके अनुसार पात्रा जाली वीडियो का प्रवर्तक नहीं था और उसने अनजाने में इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड कर दिया था। सत्र न्यायाधीश धीरज मोर एक मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश के खिलाफ पात्रा की

पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें आईपी एस्टेट पुलिस स्टेशन के थानाध्यक्ष को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की प्रासंगिक धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करने और पूरी तरह से कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने अपने फैसले में कहा कि निस्संदेह किसी भी व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना उसकी प्रतिष्ठा पर कलंक और धब्बा है, जिसे पूरी तरह से बहाल नहीं किया जा सकता है, भले ही बाद में उसे जांच एजेंसी द्वारा दोषमुक्त कर दिया जाए और न्यायालय द्वारा दोषमुक्त कर दिया जाए। इसके अलावा किसी आरोपी का नाम दर्ज करना एफआईआर का एक अनिवार्य घटक नहीं है क्योंकि इसका आवश्यक घटक केवल संज्ञेय अपराध के घटित होने के बारे में जानकारी है, चाहे उसके अपराधी का नाम हो या न हो।

मीनाक्षी के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

उच्च न्यायालय ने 2019 के लोकसभा चुनाव में नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र से सांसद एवं वर्तमान केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी के चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने निर्दलीय प्रत्याशी रहे रमेश द्वारा दायर उस याचिका को खारिज कर दिया। जिसमें उन्होंने लेखी के चुनाव खर्च में विसंगतियों और भ्रष्ट चुनाव प्रथाओं में संलिप्तता के आरोप लगाए थे। अदालत ने पाया कि चुनाव याचिका में मूल रूप से भौतिक तथ्यों का अभाव है। इसमें कहा गया है कि बिना किसी ठोस सामग्री के रमेश के व्यापक कथन चुनावी भ्रष्ट आचरण के आरोपों को बनाए रखने के लिए अपर्याप्त है। न्यायमूर्ति नरूला ने कानूनी प्रक्रिया में पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत और अच्छी तरह से समर्थित दलीलें प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया।

केएल राहुल एशिया कप के दो मैचों से बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हम विश्व कप से पहले अतिरिक्त सावधानी बरताना चाहते हैं। वह अगले कुछ दिनों में मैच जैसी परिस्थितियों में अभ्यास करेगा। उन्होंने कहा, हम उम्मीद कर रहे है कि वह सिर्फ दो मैचों में टीम का हिस्सा नहीं होगा और वह बाद के मैचों में वापसी कर लेगा। हमें इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला में भी भाग लेना है।

के एल राहुल चोट के कारण आगामी एशिया कप के पहले दो मैचों से बाहर हो गये हैं जिससे भारतीय टीम में उनकी वापसी में देरी होने के साथ पांच अक्टूबर से शुरू होने वाले विश्व कप के लिए उनकी मौजूदगी पर सवाल भी उठ रहे हैं। भारतीय टीम एशिया कप के शुरुआती मुकाबले में दो सितंबर को पाकिस्तान और उसके बाद चार सितंबर को नेपाल से भिड़ेगी। राहुल इन दोनों मैचों में टीम का हिस्सा नहीं होंगे। वह टूर्नामेंट के 'सुपर फोर' चरण में टीम से जुड़ेंगे।

राहुल की यह चोट उनकी जांघ की पिछली चोट से संबंधित नहीं है। राहुल जांघ की चोट के कारण पिछले कई महीनों से खेल से दूर हैं। उन्हें जांघ से चोट से उबरने के बाद बुधवार से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया गया था। द्रविड़ ने एशिया कप के लिए रवानगी से पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''केएल ने हमारे साथ अच्छा सप्ताह बिताया है। वह अच्छा खेल रहा है, वास्तव में अच्छी प्रगति कर रहा है। वह हालांकि कैंडी चरण की यात्रा के पहले भाग के लिए उपलब्ध नहीं रहेगा।'' कोच ने कहा कि राहुल एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में ही रुकेंगे और टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी पर चार सितंबर को फैसला किया जाएगा।

ट्रेनिंग शिविर में पहुंचे पंत

चोट से उबरने और रिहैबिलिटेशन के लिए यहां राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में मौजूद विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत एशिया कप से पहले भारतीय टीम के ट्रेनिंग शिविर में पहुंचे। पिछले साल दिसंबर में कार दुर्घटना में चोटिल हुए पंत चोटों से उबर रहे हैं लेकिन अभी उनकी वापसी की कोई समय-सीमा तय नहीं की गई है। सोशल मीडिया पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में 25 साल के पंत को मैदान में प्रवेश करते हुए कुलदीप यादव और शारदुल ठाकुर से मिलते समय मुस्कुराते हुए और फिर मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के साथ बातचीत करते हुए देखा जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर के विभाजन पर उठाए सवाल

अनुच्छेद 370 पर दायर याचिकाओं पर संविधान पीठ की सुनवाई जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सीमावर्ती राज्य के विभाजन की आवश्यकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जम्मू और कश्मीर अपने आप में अनोखा नहीं है और पंजाब और पूर्वोत्तर को भी इसी तरह की स्थितियों का सामना करना पड़ा है, अनुच्छेद 370 पर दायर याचिकाओं पर संविधान पीठ में 12वें दिन की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार पर सवालों की झड़ी लगाई और कहा कि क्या संसद के पास राज्य को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की शक्ति है?

अगर है तो किस हद तक, अगर स्थिति अस्थायी है तो कब तक। जम्मू-कश्मीर में चुनाव कब होंगे, कोर्ट ने कहा कि जम्मू-कश्मीर अपने आप में अनोखा नहीं है, पंजाब और पूर्वोत्तर को भी इस तरह की स्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, सीजेआई ने पूछा कि आपने एक ही केंद्रशासित प्रदेश क्यों नहीं रहने दिया? जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो क्यों बनाए? जस्टिस संजय किशन कौल ने पूछा कि अगर आप लद्दाख को अलग किए बिना पूरा ही केंद्र शासित प्रदेश बनाते तो क्या असर होता? एसजी मेहता ने कहा कि पहले अलग करना अनिवार्य और अपरिहार्य है, असम और त्रिपुरा को भी पहले अलग कर केंद्र शासित प्रदेश ही बनाया गया था, एक स्टेट को केंद्र शासित प्रदेश नहीं घोषित किया जा सकता, सीजेआई ने कहा कि चंडीगढ़ को पंजाब से ही विशिष्ट तौर पर अलग कर केंद्र शासित बनाकर दोनों राज्यों की राजधानी बनाया गया।

जम्मू-कश्मीर एक अलग तरह का सीमावर्ती राज्य

केंद्र की ओर से स्त्र तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि जम्मू-कश्मीर को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित करना एक अस्थायी उपाय है। भविष्य में जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश से राज्य के रूप में वापस कर दिया जाएगा। चुनाव के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं, जम्मू-कश्मीर राज्य में दशकों से जो लगातार स्थिति बन रही है, वह अन्य सीमावर्ती राज्यों के साथ नहीं है, यह सिर्फ सीमावर्ती राज्य नहीं है, बल्कि यह एक अलग तरह का सीमावर्ती राज्य है, युवाओं को मुख्यधारा में कैसे लाया जाए, इसी दिशा में हम काम कर रहे हैं, मैं इस दिशा में उठाए गए कदमों के बारे में विस्तार से बताऊंगा. उन्होंने ये भी कहा कि अगर गुजरात और मध्य प्रदेश को विभाजित किया गया, तो उसके पैरामीटर अलग होंगे।

कांग्रेस जो कहती है, वह करती है: राहुल गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» कर्नाटक में महिलाओं के लिए गृह लक्ष्मी योजना की शुरूआत

बेंगलुरू। कर्नाटक सरकार ने मैसूर में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी की मौजूदगी में गृह लक्ष्मी योजना शुरू की। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गृह लक्ष्मी योजना के लाभार्थियों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से राशि हस्तांतरित की। इस योजना का लक्ष्य गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) रहने वाले परिवारों की महिला मुखियाओं को ?2,000 का मासिक भत्ता प्रदान करना है। एक प्रेस वार्ता के दौरान, सिद्धारमैया ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उनकी सरकार ने हाल के राज्य चुनावों के दौरान कांग्रेस द्वारा की गई तीन गारंटियों को सफलतापूर्वक लागू किया है। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने 27 अगस्त को 100 दिन पूरे कर लिए।

लॉन्च पर बोलते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, चुनाव से पहले कांग्रेस ने कर्नाटक से पांच वादे किए थे। हमने कहा था कि कांग्रेस और उसके नेता जब कुछ कहते हैं, तो वो करते हैं। आज जब हमने टैबलेट पर क्लिक किया तो करोड़ों महिलाओं को सीधे उनके बैंक खाते में 2000 रुपये मिले। उन्होंने कहा कि हमने आपको बताया था कि चुनाव के बाद कर्नाटक में महिलाओं को बसों में यात्रा के लिए कोई भुगतान नहीं करना होगा। इस योजना का नाम शक्ति रखा गया और हमने इसे पूरा किया। सीएम सिद्धारमैया ने वर्ष के लिए 32,000 करोड़ के बजट आवंटन के साथ गृह लक्ष्मी योजना को देश के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना के रूप में रेखांकित किया।

ईडी नहीं एक्सटॉर्शन डिपार्टमेंट कहिए: संजय सिंह

» असिस्टेंट डायरेक्टर 7 लोगों के साथ घूस लेते धरा गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने एक बार फिर पीएम मोदी और ईडी को घेरा है। संजय सिंह ने कहा कि मोदी जी ईडी को भ्रष्टाचार खत्म करने का साधन बताते हैं। लेकिन वह एक्सटॉर्शन डिपार्टमेंट बन गया है। ईडी का असिस्टेंट डायरेक्टर 7 लोगों के साथ तथाकथित शराब घोटाले में एक आरोपी को बचाने के लिए 5 करोड़ की रिश्वत लेते पकड़ा गया।

एक्सटॉर्शन मामले से जुडे सीए के पास से 2.14 करोड़ कैश और 1.90 करोड़ रुपए की ज्वैलरी बरामद हुई है। संजय सिंह ने ईडी पर आरोप लगाते हुए कहा कि ईडी ने तथाकथित शराब घोटाला मामले में चंदन रेड्डी के कान के पर्दे फाड़कर और एक व्यक्ति को बेटी कॉलेज कैसे जाएगी की धमकी देकर बयान लिए हैं।

जदयू के एमएलसी को इडी का नोटिस

» बालू के अवैध कारोबार के लिए होगी पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पिछली छापेमारी में डेढ़ करोड़ नगदी और 11 करोड़ की संपत्ति के पेपर मिलने पर जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के विधान पार्षद राधा चरण सेठ के 60 बैंक खातों में जमा 6 करोड़ फ्रीज करने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉड्रिंग की जांच आगे बढ़ा दी है। अवैध बालू खनन को लेकर पुलिस में दर्ज मामले के बाद मनी लॉड्रिंग की जांच शुरू हुई थी।

अब इसी के तहत ईडी की पटना इकाई ने जदयू के एमएलसी राधा चरण सेठ और उनके बेटे कन्हैया को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा है। उन्हें 15 दिनों के अंदर कार्यालय में अपना पक्ष लेकर हाजिर होने के लिए कहा गया है। आरा-बक्सर स्थानीय प्राधिकार सीट से जदयू के एमएलसी राधा चरण सेठ के आरा में अनाइठ और बाबू बाजार स्थित आवास पर जून में भी जांच हुई थी। उस दिन पटना, धनबाद, हजारीबाग और कोलकाता समेत कुल 27 ठिकानों पर जांच हुई थी। उससे पहले फरवरी में जदयू एमलसी के 22 ठिकानों पर एक साथ जांच हुई थी। फरवरी में कर वंचना के मामले में इनकम टैक्स ने उनके खिलाफ कार्रवाई की थी। उस बड़ी कार्रवाई पर बिहार की सियासत गरमा गई थी। जदयू नेताओं ने इसे केंद्र सरकार के निर्देश पर सरकारी एजेंसियों का दुर्भावभापूर्ण दुरुपयोग कहा था। जून में जब आरा में जांच हो रही थी, तब जेडीयू एमलसी राधाचरण वहां मौजूद नहीं थे। सीआरपीएफ की टुकड़ी के साथ पहुंचे अधिकारियों ने राधाचरण साह उर्फ राधा चरण सेठ के नए और पुराने आवास के मुख्य गेट को बंद कर दिया था।

जब बिना भेदभाव के परिणाम आने लगे तो बेटियां आगे आने लगीं: सीएम योगी

रक्षाबंधन पर 29523 बेटियों को सीएम का तोहफा, कन्या सुमंगला योजना की राशि की हस्तांतरित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारा भारतीय समाज मातृ वंदन को बढ़ावा देता रहा है। सरकार की ओर से भी समय-समय पर योजनाएं चलाई जाती हैं। बेटियों को आगे बढ़ने का मौका मिलना चाहिए। जिन बेटियों ने संस्मरण सुनाये है उनका आत्मविश्वास झलक रहा था। बोर्ड परीक्षा हो या प्रतियोगी परीक्षा जब बिना भेदभाव के परिणाम आने लगें तो बेटियां आगे आने लगीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने बटन दबाकर 29523 बेटियों के खाते में कन्या सुमंगला योजना की राशि हस्तांतरित की।

कार्यक्रम में बेटियों ने मुख्यमंत्री योगी को राखी भी बांधी।

इस दौरान 10 बेटियों को कार्यक्रम में राशि वितरित की गई। मुख्यमंत्री ने उन्हें चेक सौंपा और साथ में चॉकलेट भी दी। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बेटियों का आत्मविश्वास बता रहा है कि सरकार की योजनाएं सफलतापूर्वक आगे ब? रही हैं। 2017 से पहले बेटियों को नंगे पैर स्कूल जाना पड़ता था।

बेटियों के साथ घर परिवार में भेदभाव और अन्याय होता है ऐसे अभिभावक बेटी के साथ ही नहीं समाज के साथ भी अन्याय कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आने के बाद प्रदेश सरकार ने तय किया कि बेटी भी अच्छी यूनिफॉर्म पहनकर स्कूल जाएगी।

फोटोः सुमित कुमार

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।